

वर्ष 2014-15 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट माह 02/2022

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1.	54.0.0	राज्य सरकार ने यह भी तय किया है कि गंग नहर परियोजना, सिद्धमुख नौहर सिंचाई परियोजना, भाखड़ा नहर प्रणाली एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना के शेष रहे खालों का भी निर्माण करवाया जावे	इस घोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है।
1(अ)	54.1.0	गंग नहर परियोजना के फेज द्वितीय में 44,875 है. में 185 स.रु. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर तैयार की जा रही है।	इस घोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है। इस परियोजना की डीपीआर सीएडीडब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किए जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा पुनरोद्धार मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.15 द्वारा 44875 हैक्टेयर क्षेत्र में रुपये 146.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। परियोजना का स्कोप बढ़ाकर 117975 हैक्टेयर एवं लागत रु 353.40 करोड़ स्वीकृत कर दी गई है। परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है एवं दिनांक 28.02.2022 तक 71278 है0 क्षेत्र में रुपये 172.86 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं एवं शेष कार्य वर्ष 2022-23 तक पूर्ण किये जाने सम्भावित हैं। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित होगा।
1(ब)	54.2.0	सिद्धमुख नहर सिंचाई परियोजना में 23,822 है. में 115 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।	इस घोषणा की क्रियान्विति जारी है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 23822 हैक्टेयर क्षेत्र में से 02/2022 तक रु. 830.78 लाख की लागत से 6235 हैक्टेयर क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके हैं। वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 21099 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 121 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है। डीपीआर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022-23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ एवं चुरु जिले लाभान्वित होंगे।
1(स)	54.3.0	अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना में 11,720 है. में 55 करोड़ रु. की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य करवाये जायेंगे।	इस घोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है। इस परियोजना के शेष क्षेत्र 11720 है0 क्षेत्र में 02/2022 तक रु. 862.16लाख की लागत से 5288 है0 क्षेत्र में कार्य पूर्ण करवाए जा चुके हैं। वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 9149 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 51 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई है। डी.पी.आर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022-23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ जिला लाभान्वित होगा।

1(द)	54.4.0	भाखड़ा नहर प्रणाली की जहाँ नहरे पक्के हो चुकी है उसके 1,13,420 है. में 451 करोड़ की लागत से पक्के खालों के निर्माण कार्य हेतु डीपीआर बनाई जायेगी।	<p>इस घोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है।</p> <p>भाखड़ा नहर परियोजना की डी.पी.आर सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम में शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/3/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 1,13,420 है0 क्षेत्र में रु. 370.88 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है।</p> <p>इस परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है एव 02/2022 तक 61328 है0 में रुपये 151.03 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं।</p> <p>वर्ष 2016-17 में भारत सरकार द्वारा CADWM कार्यक्रम बन्द किये जाने के कारण केन्द्रीय सहायता प्राप्त नहीं हो रही है एवं प्रगतिरत कार्यों को राज्य सरकार द्वारा वित्तीय पोषण कर पूर्ण करवाया जा रहा है। परियोजना के शेष 87689 हैक्टेयर में ओएफडी कार्यों हेतु ISBIG कार्यक्रम के तहत रुपये 358 करोड़ लागत से डीपीआर बनाकर अक्टूबर 2017 में भारत सरकार को स्वीकृति हेतु प्रस्तुत की गई हैं।</p> <p>डी.पी.आर स्वीकृति बजट उपलब्ध होने एवं विभाग में विभिन्न स्तर के रिक्त पदों के भरे जाने की स्थिति में वर्ष 2022-23 तक सभी बकाया कार्य पूर्ण करवा दिया जाना संभव होगा। इस परियोजना से हनुमानगढ़ एवं गंगानगर जिले लाभान्वित होंगे।</p>
------	--------	---	--

वर्ष 2015-16 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:- (माह 02/2022)

1.	87.7.0	आगानी टड में कोटा, बूदी, टोंक, श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिले में 53612 है. में 118 करोड़ की लागत से पक्के खालों का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर 40 हजार है. क्षेत्र में इसे पूरा करवाया जायेगा।	<p>इस घोषणा की क्रियान्विति पूर्ण हो चुकी है।</p> <p>श्रीगंगानगर तथा हनुमानगढ़ जिलों में इस वर्ष में पक्का खाला निर्माण लक्ष्य 40,000 हैक्टेयर के विरुद्ध माह मार्च 2016 तक गंगानहर परियोजना फेज-1 में 32609 है0, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना में 1146 है0, अमरसिंह सब ब्रंच परियोजना में 1994 है0, भाखड़ा नहर परियोजना में 6013 है0 एवं गंग नहर परियोजना फेज-2 में 1389 है0 कुल 43151 है. में पक्का खाला निर्माण कार्य करवाया जा चुका है।</p>
----	--------	---	--

माननीय मुख्यमंत्री द्वारा बीकानेर संभाग के दौरे के दौरान की गई घोषणा की क्रियान्विति:- (माह 02/2022)

7.	117-(0)	अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में विद्यमान पानी के कच्चे खालों को पक्का किया जावेगा	<p>इस घोषणा की क्रियान्विति प्रगति पर है।</p> <p>अन्तराष्ट्रीय सीमा से संलग्न 0 से 5 किमी परिधि में आने वाले क्षेत्र हेतु गंग नहर परियोजना फेज-2 को सीएडी डब्ल्यूएम कार्यक्रम के तहत शामिल किये जाने की स्वीकृति केन्द्र सरकार के जल संसाधन, नदी विकास एवं गंगा Rejuvenation मंत्रालय (एसपी विंग) के पत्रांक एन 19011/4/2015 सीएडीडब्ल्यूएम दिनांक 28.09.2015 द्वारा 44875 है0 क्षेत्र में रु. 146.74 करोड़ की लागत से पक्का खाला निर्माण कार्य हेतु जारी की जा चुकी है। परियोजना के अन्तर्गत पक्का खाला निर्माण कार्य प्रगति पर है। दिनांक 28.02.2022 तक 71278 है0 क्षेत्र में रुपये 172.86 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं एवं शेष कार्य वर्ष 2022-23 तक पूर्ण किए जाने सम्भावित है। इस परियोजना से श्रीगंगानगर जिला लाभान्वित होगा।</p>
----	---------	--	---

वर्ष 2017-18 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 02/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	1133.01.0 (2017-18)	आगामी वित्तीय वर्ष 2017-18 में माही, पांचना, चवली, छापी गभीरी, जवाई, भाखड़ा फेज-2 एवं गंगनहर फेज-3 के नहर प्रणाली क्षेत्रों में पक्के खालों का निर्माण प्रारम्भ करवाया जायेगा, जिससे 3 लाख 56 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में किसानों को सिंचाई की बेहतर सुविधा उपलब्ध हो सकेगी।	इस संगठन के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा दिनांक 31.08.17 द्वारा Incentivisation Scheme for Bridging Irrigation Gap (ISBIG) योजना की जारी गाइडलाईन के अनुसार गंगनहर परियोजना फेज-तृतीय (सीसीए 146644 हैक्टेयर लागत रु0 631 करोड़) भाखड़ा परियोजना फेज-प्रथम (सीसीए 87689 हैक्टेयर लागत रु0 358 करोड़) भाखड़ा परियोजना फेज-द्वितीय (सीसीए 179138 हैक्टेयर लागत रु0 718 करोड़) सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना (सीसीए 21099 हैक्टेयर लागत रु0 121 करोड़) अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना (सीसीए 9149 हैक्टेयर लागत रु0 51 करोड़) की डीपीआर तैयार कर इस कार्यालय के पत्रांक स्पेशल-1 दिनांक 26.09.17 द्वारा मुख्य अभियन्ता(पूर्व) सीएडी जयपुर को प्रस्तुत की गई है। इन डीपीआर को स्वीकृति हेतु भारत सरकार के स्तर पर प्रक्रियाधीन है।

वर्ष 2018-19 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 02/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	33.0.0 (2018-19)	सिंचित क्षेत्र विकास विभाग के माध्यम से चम्बल, बीसलपुर, गंगनहर, भाखड़ा नहर, सिद्धमुख नोहर एवं अमरसिंह सब ब्रांच परियोजना पर आगामी वर्ष में रुपये 220 करोड़ का व्यय प्रस्तावित है।	इस संगठन के अन्तर्गत गंगानगर, हनुमानगढ़ एवं चुरु जिलों में गंगनहर, भाखड़ा नहर परियोजना, सिद्धमुख नोहर सिंचाई परियोजना, अमर सिंह सब ब्रांच परियोजना में वर्ष 2018-19 हेतु पक्का खाला निर्माण हेतु रुपये 75 करोड़ का बजट प्रावधान किया गया था। वित्तीय वर्ष 2018-19 में लगभग रुपये 73.60 करोड़ के कार्य पूर्ण करवाये जा चुके हैं।

वर्ष 2021-22 की बजट घोषणाओं की क्रियान्विति रिपोर्ट:-(माह 02/2022)

क्र.सं.	पैरा सं.	बजट घोषणा	क्रियान्विति
1	37.0.0 (2021-22)	अमर सिंह ब्रान्च व सिद्धमुख नहर (हनुमानगढ़) के मरम्मत कार्य व बकाया खालों के निर्माण कराये जायेंगे।	1. सिद्धमुख नहर परियोजना के शेष क्षेत्र 19778 हेक्टेयर में से 2111 हेक्टेयर क्षेत्र में रु 4.62 करोड़ व्यय कर खाला निर्माण पूर्ण किया गया है। 2. अमर सिंह सबब्रान्च परियोजना के शेष क्षेत्र 5211 हेक्टेयर में से 829 हेक्टेयर में रु 0.03 करोड़ व्ययकर खाला निर्माण पूर्ण किया गया है।